कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 180 कानपुर, सोमवार 01 जनवरी 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

सर्दी ऋतु में पाले से फसलों की कृषक भाई करें सुरक्षा : डॉ खलील खान

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया। कि जब सर्दी

चरम पर होती है। उस वक्त किसानों को अपनी फसलों की बचाने की चिंता होती है। उन्होंने कहा कड़क सर्दी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। जिसमें रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आलू और अरहर चना, सरसों तोरिया बागवानी फसलें, गेहूं,जौं आदि फसलों को बचाएं। डॉ खान ने बताया कि जब वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो पाला पड़ता है। इससे फसलों को बचाने के लिए 0.1ब्र गंधक का छिड़काव करें जिससे खेत का तापमान बढ़ जाता है। और पाले से होने वाले नुकसान से फसल को बचाया जा सकता है इसके अतिरिक्त नर्सरी को पुआल से ढक कर रखें साथ ही खेतों में उत्तर पश्चिम दिशा में वायु रोधक टट्टियाँ लगाकर शीत लहर की वायु को रोका जा सके। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि जब पाला पड़ने की संभावना हो तो खेत में हल्की सिंचाई कर दें। जिससे कि मिट्टी का तापमान बढ़ जाता है व पाले से फसल की सुरक्षा होती है।

वर्ष-17 अंक-67 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, सोमवार 01 जनवरी 2024

कानपुर से प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात, औरैया में प्रसारित

दैनिक

RNI No.- UPHIN/2007/27090

नगर छाया

आप की आवाज़.....

सर्दी ऋतु में पाले से फसलों की कृषक भाई करें सुरक्षाः डॉ. खलील खान

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया। कि जब सर्दी चरम पर होती है। उस वक्त किसानों को अपनी फसलों की बचाने की चिंता होती है। उन्होंने कहा कड़क सर्दी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। जिसमें रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आलू और अरहर, चना, सरसों,तोरिया,बागवानी फसलें, गेहूं,जौ आदि फसलों को बचाएं। डॉ खान ने बताया कि जब वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो पाला पड़ता है। इससे फसलों को बचाने के लिए 0.1त्न गंधक का छिड़काव करें जिससे खेत का तापमान बढ़ जाता है। और पाले से होने वाले नुकसान से फसल को बचाया जा सकता है।इसके अतिरिक्त नर्सरी को पुआल से ढक कर रखें साथ ही खेतों में उत्तर पश्चिम दिशा में वायु रोधक टट्टियाँ लगाकर शीत लहर की वायु को रोका जा सके। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि जब पाला पड़ने की संभावना हो तो खेत में हल्की सिंचाई कर दें। जिससे

कि मिट्टी का तापमान बढ़ जाता है व पाले से फसल की सुरक्षा होती है।